अध्याय–1

पटना से नाथुला की यात्रा

6PGHIR

8 नवम्बर 2010 की ठंड भरी काली रात। ठंड से काँपते–ठिठुरते लोग। पटना जंक्शन पर मित्रों के साथ रेलगाड़ी की प्रतीक्षा। गंतव्य–सिक्किम की राजधानी गंगटोक। अपने स्मारकों, सांस्कृतिक धरोहरों एवं विभिन्न परिवेश की पहचान और उनके संरक्षण को जानने की लालसा।

न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर अगली सुबह उतरे। पहला पड़ाव था– सिक्किम जाने के मार्ग में स्थित दार्जिलिंग। दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल राज्य का सुन्दर पर्वतीय स्थल है। हरी–भरी घाटियाँ और दूर–दूर तक दर्शनीय हिमालयी पर्वत शृंखलाएँ। जैसे–जैसे हम न्यू जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग की पहाड़ियाँ चढ़ते गए, ठंड बढ़ती गई और स्वेटर पर जैकेट भी डालना पड़ा। 'टाइगर हिल' पर खड़े होकर सुबह–सुबह सालों भर बर्फ से ढँकी रहनेवाली कंचनजंगा की सतरंगी बदलती चोटी को देखना अद्भुत था। कंचनजंगा की इस खूबसूरती को दार्जिलिंग और सिक्किम के पूरे 12 दिवसीय प्रवास में जी भरकर देखने के बाद भी मन नहीं भरा।

कंचनजंगा

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

बताइए –

किन दो राजधानियों की बात लेख में की गई है?

————————————————————————————

सुबह के समय बर्फ से ढँकी कंचनजंगा की चोटी कैसी दिखती है?

————————————————————————————

————————————————————————————

कंचनजंगा की चोटी पर बर्फ क्यों जमी रहती है?

————————————————————————————

————————————————————————————

आपको सूर्योदय या सूर्यास्त के समय का दृश्य कैसा लगता है? लिखिए।

————————————————————————————

————————————————————————————

हिमालय पर्वत की कुछ अन्य चोटियों के नाम पता करके लिखिए।

————————————————————————————

————————————————————————————

भारत के कुछ अन्य पर्वतीय स्थलों के नाम पता करके लिखिए।

————————————————————————————

————————————————————————————

हम लोगों ने दार्जिलिंग में घूमने का आनंद, यहाँ के अनेक आकर्षक स्थलों को देखकर उठाया। जहाँ दार्जिलिंग का चाय बागान, चिड़ियाघर ने लुभाया; वहीं नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम (अजायबघर), लॉयड बॉटनिकल गार्डन और जूलॉजिकल पार्क में क्रमशः पशु–पक्षी, तितलियाँ, हिमालयी जीव–जन्तुओं ने विशेष रूप से हम सब लोगों का मन मोह

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

लिया। जूलॉजिकल पार्क व कुछ अन्य जगहों में हमने 'याक' नामक एक पशु को देखा। उसके शरीर पर लम्बे–लम्बे बाल थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि सिक्किम में भी यह पाया जाता है। बहुत ठंडवाले इलाके में शरीर के लम्बे बालों की वजह से ही याक का रहना संभव होता है।

चाय बागान में काम करती महिलाएँ

याक

बताइए –

ठंडे इलाके के जन्तुओं के शरीर पर बड़े–बड़े बाल क्यों पाए जाते हैं?

____

____

'रोप वे' पर सवार होकर बादलों के बीच से गुजरते हुए 'चाय बागान' को देखना बड़ा आनंददायक रहा। हमारे मैदानी इलाकों में बादल हमसे दूर बहुत ऊपर दिखाई पड़ते हैं। परन्तु यहाँ पर हम सभी बादलों के बीच थे और घाटियाँ बादलों से भरी थीं। कभी–कभी चाय बागानों में हम से नीचे भी बादल दिख रहे थे। यहाँ से हम **हिमालय पर्वतारोहण संस्थान** के लिए रवाना हो गए।

पर्वतारोहियों के लिए चिड़ियाघर के नजदीक 'हिमालय पर्वतारोहण संस्थान' है। यहाँ भारत के गौरव तेनजिंग नोरगे की आदमकद मूर्ति लगी है। यहाँ का एवरेस्ट म्यूजियम एक रोमांचक यादगार है। यहीं मुझे तेनजिंग नोरगे के बारे में

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

कुछ जानकारी मिली जो इस प्रकार है– ''पर्वतारोहियों के साथ तेनजिंग, बीस साल की उमर से ही 'कुली' के रूप में जाते रहते थे। तेनजिंग यूँ तो भारत के मूल निवासी बन गए थे मगर उनका जन्म तिब्बत में हुआ था और बचपन के दिन उन्होंने नेपाल में बिताए थे। वैसे तो उन्हें बिल्कुल भी पढ़ना लिखना नहीं आता था, मगर देश–विदेश के पर्वतारोहियों के साथ वे कई भाषाओं में बातचीत कर लेते थे। वे तुरंत सबसे दोस्ती भी कर लेते थे। 1947 में एक पर्वतारोही दल के साथ जाते समय अपने एक साथी वॉग्डी नोरबू जो पहाड़ से गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो चुके थे, को पीठ पर लादकर कई मील चलकर अस्पताल ले गए और इस प्रकार वॉग्डी को बचाया।

सन् 1953 में तेनजिंग नोरगे सर एडमण्ड हिलरी के साथ हिमालय पर्वत श्रृंखला के सबसे ऊँचे शिखर 'एवरेस्ट' जो कि समुद्र तल से 8848 मीटर ऊँचा है पर चढ़े और विजय का झंडा गाड़ा।''

तेनजिंग नोरगे के बारे में अपने शब्दों में लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

'हिमालय पर्वतारोहण संस्थान' में हम लोगों ने काफी समय गुजारा और पर्वतारोहण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस संस्थान को माउंट एवरेस्ट पर विजय की खुशी में सन् 1954 ई. में स्थापित किया गया था। पर्वतारोहण' के लिए प्रशिक्षण लेना भी जरूरी होता है। पर्वतारोही दलों को अपने साथ 'टेन्ट' रस्सी, पर्वतारोहण के लिए जरूरी औजार, पर्याप्त भोजन, पानी, गरम कपड़े इत्यादि लेकर जाना पड़ता है। अब भारत में पर्वतारोहण के कई संस्थान हैं। अनेक लोगों ने कई चोटियों पर विजय भी हासिल की है।

इसके बावजूद हर दल के साथ, ऐसा व्यक्ति जो वहीं का रहनेवाला हो एवं पर्वतों पर चढ़ने में पारंगत हो, 'कुली' तथा 'गाइड' के रूप में चलता है। ऐसे गाईड को दार्जिलिंग में 'सिरदार' कहा जाता है – यह बहुत सम्मान का पद है। तेनजिंग नोरगे को भी 'सिरदार'

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

की उपाधि मिली थी, जब उन्होंने अपने साथी को बचाया था।

पर्वतारोहण के लिए क्या–क्या तैयारी करनी पड़ती है?

____

____

____

____

संस्थान में पर्वतारोहण के काम आनेवाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियाँ सँजोकर रखी गई हैं। यहाँ प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है।

पर्वतारोहियों को ऊँचाई पर जाने के पश्चात् विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बारिश, आँधी–तूफान, अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी का मुकाबला करना पड़ता है। उन्हें विशेष प्रकार के बने जूते और कपड़े पहनने पड़ते हैं। ऑक्सीजन के सिलिंडर भी ले जाने पड़ते हैं।

एडमण्ड हिलेरी तेनजिंग नोरगे

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

पिछले पृष्ठ पर दो जाने–माने पर्वतारोहियों के चित्र दर्शाए गए हैं। ये आपको क्या–क्या पहने दिखाई पड़ रहे हैं?

——————————————————————————————

——————————————————————————————

——————————————————————————————

उन्हें ऐसे कपड़ों की जरूरत क्यों पड़ती है?

——————————————————————————————

——————————————————————————————

संस्थान के सदस्यों ने बताया कि सिर की सुरक्षा के लिए सर्दी, गर्मी व बरसात में अलग–अलग किस्म की टोपियाँ पहनी जाती हैं। आँख के लिए चश्मे और हाथ के लिए दस्ताने भी आवश्यक हैं। यहाँ हम लोगों ने बर्फ के बीच सोने के लिए विशेष प्रकार का 'स्लीपिंग 'बैग' भी देखा। इसके पश्चात् हम लोग प्रशिक्षण देखने गए। यहाँ पर पर्वतारोहियों को अपनी पीठ पर सामान लादकर बर्फ की पहाड़ियों पर चढ़ने और सीधी ढलान पर उतरने का अभ्यास कराया जा रहा था। रस्सी, कुल्हाड़ी, कुदाल के सहारे चढ़ाई करवाई जा रही थी। सभी मजे लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे।

हाल–फिलहाल ही बिहार की पर्वतारोही श्रीमती निरुपमा अग्रवाल ने माउण्ट एवरेस्ट की चोटी पर विजय प्राप्त की है।

पर्वतारोहियों को चढ़ने के लिए किन–किन सामानों की आवश्यकता होती है? इसकी एक सूची बनाइए।

——————————————————————————————

——————————————————————————————

——————————————————————————————

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies..

पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेते समय लोग क्या–क्या कर रहे थे?

____

____

____

____

दार्जिलिंग की यात्रा के पश्चात् हमने अपने अगले पड़ाव गंगटोक के लिए प्रस्थान किया। गंगटोक समुद्रतल से लगभग 6000 फीट की ऊँचाई पर स्थित सिक्किम राज्य की राजधानी है। यह पहाड़ों के ढलानों पर विभिन्न स्तरों को काटकर बसाया गया शहर है। ऊपर–नीची ढलानों पर बनी सड़कें और उस पर बिना हॉर्न बजाती कतार से चलती गाड़ियाँ। शहर के अंदर कहीं गंदगी (कूड़े–कचरे) का नामो–निशान नहीं। सभी दुकानों के आगे कचरे फेंकने के लिए डिब्बे। किसी भी परिस्थिति में कोई भी, किसी भी तरह का कचरा सड़क पर नही फेंक सकता।

शाम के समय 'महात्मा गांधी सड़क' का अद्‌भुत नजारा। साफ–सुथरी चौड़ी सड़क के बीचो–बीच फूलों भरे पौधों से सुन्दर सजावट। दोनों तरफ सजी–धजी दुकानें। सड़क के बीचों–बीच लकड़ी, लोहे एवं पत्थरों से बने बेंचों पर बैठकर धीमे भारतीय संगीत के साथ चाय–कॉफी की चुस्कियों का मजा ही कुछ और था। तरह–तरह के फूल के पौधों से सुसज्जित इस सड़क का दृश्य देखते ही बनता था। यहाँ सड़क के किनारे, पगडंडियों पर लोग चलते हैं और कभी आराम करने के लिए सड़क के बीच की इस सुसज्जित जगह पर बैठ जाते हैं। तभी तो लगा कि हम अलग ही दुनिया में आ गए हैं।

यदि आपको अपने घर के आस–पास ऐसा वातावरण बनाना हो तो उसके लिए क्या–क्या करना चाहेंगे?

____

____

____

____

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies..

सिक्किम पहाड़ों और घाटियों से भरा एक छोटा राज्य है। तिस्ता यहाँ की मुख्य नदी है। यहाँ मुख्यतः लेप्चा, नेपाली और भूटिया तीन जातियाँ निवास करती हैं। यहाँ के लोग मेहनती, सीधे–सरल और सहयोगी होते हैं। यहाँ की औरतें रंगीन कपड़े एवं मनकों से युक्त सोने के आभूषण पहनना पसंद करती हैं।

गंगटोक में हम लोगों ने फूलों का बगीचा, बॉटनिकल गॉर्डन, रूमटेक मॉनेस्टरी आदि देखा। रूमटेक मॉनेस्टरी 'करमापा' (बौद्ध धर्म गुरु) का निवास भी है। यह बौद्ध धर्म का दर्शनीय स्थल है।

सिक्किम के लोग कैसे होते हैं?

____

____

____

____

एक दिन हम लोग गंगटोक से लगभग 52 कि.मी. दूर समुद्रतल से लगभग 14,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित नाथुला घूमने गए। यह भारत और तिब्बत की सीमा पर स्थित है। जैसे–जैसे हम गंगटोक से आगे बढ़े और ऊपर चढे, ठंड बढ़ती गई। इन पहाड़ों पर घुमावदार सड़क साँप की तरह दिखाई पड़ रही थी। सड़क के एक तरफ पहाड़ और दूसरी तरफ हजारों फीट नीचे गहरी खाई थी। यह देखकर मन घबरा जाता था।

आखिर नाथुला आ गया। बिछी हुई बर्फ की चादरों के बीच हम सभी खड़े थे– उत्साहित और आनंदित। सबसे ऊँचाई पर शान से लहरा रहा था अपना प्यारा तिरंगा। इतनी ऊँचाई पर तिरंगे का लहराना देख, मन गर्व से भर गया। दूसरी ओर चीन देश का झंडा भी लहरा रहा था।

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

अपने देश की रक्षा के लिए सीमा पर चौकस वीर सैनिक हम सब लोगों का मार्गदर्शन भी कर रहे थे। साँस लेने में थोड़ी दिक्कत आ रही थी। पचास–साठ सीढ़ियाँ भी चढ़ना मुश्किल हो रहा था। साँस फूलने लगी। सैनिक बर्फ पर न चलने एवं सीढ़ी पर रुक–रुककर चढ़ने को कह रहे थे।

बच्चों को दौड़ने के लिए मना किया जा रहा था। बच्चे तो ठहरे बच्चे। भला कहाँ रुकनेवाले थे। एक बच्चा बेहोश हो गया। सभी चिल्लाने लगे जल्दी कैम्प ले जाओ, ऑक्सीजन दो ऑक्सीजन दो। सैनिकों ने उसे तुरन्त 'मेडिकल–कैम्प' में पहुँचाया। प्राथमिक उपचार के बाद बच्चा स्वस्थ होकर वापस आ गया।

वह बच्चा क्यों बेहोश हुआ?

——————————————————————————————

——————————————————————————————

नाथुला का रास्ता प्राचीनकाल में 'सिल्क–मार्ग' के नाम से जाना जाता था। चीन के यात्री इसी कठिन मार्ग से चलकर विक्रमशिला, पाटलिपुत्र नालंदा और बोधगया तक आते थे। हमने यहाँ लगभग एक घंटा बिताया।

'ऊँचे पर्वतीय स्थल अपने प्राकृतिक सौंदर्य, स्वच्छ वातावरण और शांत माहौल से सभी को अपनी ओर आकर्षित करते रहेंगे' ऐसी भावना के साथ हम सभी लोगों ने वापसी की यात्रा शुरू की।

पता कीजिए और लिखिए–

भारतीय सीमा पर सैनिकों ने तिरंगा क्यों फहराया होगा?

——————————————————————————————

——————————————————————————————

——————————————————————————————

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies..

अपने गाँव या शहर के सड़क की तुलना गंगटोक के महात्मा गाँधी मार्ग से कीजिए और लिखिए।

जैसे– मेरे गाँव की सड़क पर बैठने के लिए कुर्सियाँ नहीं बनी हैं, महात्मा गाँधी मार्ग पर सुन्दर कुर्सियाँ बनी हैं।

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

क्या आपने किसी और देश का झंडा देखा है? यदि हाँ तो किस देश का? देश का नाम लिखिए और झण्डे का चित्र अपनी कॉपी में बनाइए।

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

आप अपनी कक्षा के बच्चों का चार–पाँच का समूह बनाइए। अपने–अपने समूह के लिए झंडे का डिजाइन चार्ट पेपर पर बनाइए। झंडे का यह डिजाइन आपने क्यों चुना? लिखिए। इसे कक्षा में लटकाइए।

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

आपने कभी भी यात्रा की हो या यात्रा के बारे में पढ़ा हो तो, उसके बारे में लिखिए।

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies..